केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 282 रविवार 11 मई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

60 लीटर कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी पुलिस ने ग्राम धिरौली बाबू क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से 300 लीटर अवैध देसी शराब का लहन नष्ट किया। साथ ही 60 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की।

थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में छापेमारी की। टीम को सूचना मिली थी कि यहां बड़े पैमाने पर अवैध शराब का निर्माण और बिक्री हो रही है। छापेमारी के दौरान शराब बनाने के उपकरण और लहन बरामद हुआ। पुलिस ने झाड़ियों में छिपे अभियुक्त गंगाराम चौहान को गिरफ्तार किया।

अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के खिलाफ विशेष अभियान चल रहा है।

कार्रवाई में थानाध्यक्ष के अलावा उप निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू, हरि राय, विंध्याचल प्रसाद, रितेश कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल हौसला प्रसाद और हेड कांस्टेबल अखण्ड प्रताप शर्मा शामिल रहे।

युवक की हत्या मामले में पिता–पुत्र गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थानाक्षेत्र के जगदीशपुर स्थित शराब की दुकान के पास हुई पिटाई व मौत के मामले में पुलिस ने पिता–पुत्र के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार भी कर लिया है। हत्या का कारण शराब पीने को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है। कोतवाली थानाक्षेत्र स्थित महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज के पास जगदीशपुर गांव है। यहां पर देशी शराब की दुकान है। इसी दुकान पर दुर्गेश पांडेय निवासी जखनी और रणंजय त्रिपाठी निवासी लबनापार पहुंचे। पुलिस के अनुसार यह दोनों पूर्व परिचित हैं। पुलिस ने बताया कि शराब पीने की दौरान किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी होने लगी और मारपीट हो गई।

इसी दौरान किसी ने रणंजय त्रिपाठी के बेटे को फोन कर दिया। आरोप है कि रणंजय का बेटा शिवम त्रिपाठी मौके पर पहुंच गया और पास की एक दुकान से पलटा उठाकर दुर्गेश पांडेय की पिटाई कर दी। पिटाई दुर्गेश गंभीर रूप से घायल हो गया। लोग उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। घटना की जानकारी होने पर एसपी अभिनंदन, एएसपी ओमप्रकाश सिंह, सीओ सत्येन्द्र भूषण तिवारी, कोतवाल बस्ती, एसओ पुरानी बस्ती महेश सिंह, स्वाट टीम प्रभारी चंद्रकांत पांडेय मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मौके पर टीमें आरोपियों को पकड़ने के लिए रवाना हुईं। आधी रात आरोपियों के रिश्तेदारों व परिवारीजनों को पुलिस तलाशती रही। एक आरोपी को मौके से ही हिरासत में ले लिया तो दूसरे आरोपी को शुक्रवार को दबोच लिया। कोतवाली पुलिस ने दुर्गेश के परिजन की तहरीर पर रणंजय त्रिपाठी और शिवम त्रिपाठी के खिलाफ गैर इरादत हत्या का मामला दर्ज किया।

टेलर की ठोकर से युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परशुरामपुर थानाक्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर देर सायं करीब आठ बजे निमंत्रण से लौट रहे माचा गांव के पास पीछे से तेज रफ्तार ट्रेलर ने ठोकर मार दिया। जिसके चलते बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी। थानाक्षेत्र के रानीपुर निवासी सुभाष श्रीवास्तव पुत्र स्व. रामकुमार बाइक लेकर गांव के करीब ही माचा गांव में एक बहूभोज में शामिल होकर घर लौट रहे थे कि गोरखपुर–अयोध्या हाइवे पर पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने ठोकर मारते हुए रौंद दिया जिसके चलते मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से ट्रेलर को पकड़ मृतक के शव को कब्जे में ले लेकर कार्रवाई करने में जुट गई।

भारत–पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम

नई दिल्ली (आभा)। भारत और पाकिस्तान सीजफायर के लिए सहमत हो गए हैं। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने शनिवार को इसकी पुष्टि कर दी। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने शनिवार दोपहर 15.35 बजे भारतीय डीजीएमओ को फोन किया। उनके बीच सहमति बनी कि दोनों पक्ष भारतीय मानक समयानुसार शाम 5.00 बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे। दोनों पक्षों को इस सहमति को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। सैन्य संचालन महानिदेशक 12 मई को 12.00 बजे फिर से बात करेंगे।

इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई वार्ता के बाद भारत और पाकिस्तान तत्काल और पूर्ण संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में घोषणा की, 'अमेरिका की मध्यस्थता में पूरी रात चली बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तत्काल और पूर्ण संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं।' ट्रंप ने यह घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के विदेश मंत्री एस जयशंकर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से बातचीत के बाद की। रुबियो ने भी एक्स पर ऐसी ही बयान दिया है।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी पाकिस्तान से सीजफायर को लेकर पोस्ट किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई है। भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ हमेशा से दृढ़ व अटल रुख बनाए रखा है। यह आगे भी ऐसा ही करेगा।' जम्मू–कश्मीर के पूर्व डीजीपी शेष पॉल वैद ने भारत–पाकिस्तान संघर्ष विराम समझौते पर कहा, 'मुझे लगता है कि भारत ने शर्त रखी है कि पाकिस्तान आतंकवाद बंद करेगा, इसलिए भारत ने कहा कि आतंकवाद की कोई भी कार्रवाई युद्ध की कार्रवाई होगी। संघर्ष विराम का स्वागत है। भारत कभी किसी देश के खिलाफ आक्रामक तरीके से काम नहीं करता, हमारी नीति बहुत स्पष्ट है। हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। हमारी दौड़ तीसरी, दूसरी, पहली अर्थव्यवस्था बनने की है। हम युद्ध, आतंकवाद में विश्वास नहीं करते।'

ज्ञात रहे कि गत 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ नाम के आतंकवादी संगठन ने ली, जिसके तार पाकिस्तान से जुड़े थे। भारत ने इस कायराना हरकत का जवाब देने के लिए 6–7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस ऑपरेशन में भारतीय थल सेना, वायुसेना और नौसेना ने मिलकर पाकिस्तान और पीओके में जैश–ए–मोहम्मद, लश्कर–ए–तैयबा और हिज्बुल मुजाहिदीन के 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया।

सीजफायर को लेकर कोई शर्त नहीं: सिंधु जल संधि रद्द रहेगा

नई दिल्ली (आभा)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'भारत और पाकिस्तान के बीच गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी है। भारत ने सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद के खिलाफ लगातार दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है।'

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान सामने आया है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि सीजफायर की कोई पूर्व या बाद की शर्त नहीं है। बातचीत की पहल पाकिस्तान की ओर से हुई। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि को निलंबित रखा जाएगा।

भारत और पाकिस्तान में जारी सैन्य संघर्ष के बीच शनिवार को विदेश

मंत्रालय ने घोषणा की कि दोनों पक्षों में आज शाम 5 बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बन गई। विदेश मंत्री जयशंकर ने दोनों पक्षों के बीच सहमति की जानकारी एक्स पर एक पोस्ट में दी। उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच आज गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बन गई। भारत ने सभी प्रकार के आतंकवाद के विरुद्ध अपना अडिग रुख कायम रखा है और आगे भी ऐसा ही करता रहेगा।

इससे पहले, विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने प्रेस वार्ता में बताया कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने दोपहर तीन बजकर 35 मिनट पर भारतीय डीजीएमओ से फोन पर बात की। उन्होंने कहा, 'उनके बीच यह सहमति बनी कि दोनों पक्ष शनिवार को शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे।' उन्होंने कहा कि इस सहमति को लागू करने के लिए दोनों पक्षों को निर्देश दिए गए हैं। डीजीएमओ 12 मई को दोपहर 12 बजे फिर से बातचीत करेंगे।

बस्ती में होगा प्रधानाचार्य परिषद का प्रादेशिक ग्रीष्मकालीन चिन्तन शिविर, सम्मेलन, शैक्षिक कार्यशाला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद का प्रादेशिक ग्रीष्मकालीन चिंतन शिविर, सम्मेलन और शैक्षिक कार्यशाला 13 व 14 जून को बस्ती में आयोजित होगा। सम्मेलन में प्रधानाचार्यों के दायित्वों व चुनौतियों के साथ–साथ समस्याओं के समाधान की भावी रणनीति पर व्यापक विचार विमर्श किया जाएगा। यह निर्णय स्काउट भवन में देर शाम तक चली प्रधानाचार्य परिषद की मंडल स्तरीय बैठक में लिया गया।

परिषद के प्रदेश संक्षक श्रीनिवास शुक्ल ने ग्रीष्मकालीन चिन्तन शिविर, सम्मेलन व शैक्षिक कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बस्ती जनपद में पहली बार हो रहे परिषद के इस अति महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम में सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर को भी प्रभावी भूमिका निभानी होगी। शिविर मे प्रदेश भर के प्रधानाचार्यों की मौजूदगी में अनेक महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होगी। प्रदेश महामंत्री डा० रवीन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि इस सम्मेलन में होने वाले वैचारिक मंथन से प्रधानाचार्यों की अनेक समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। इसमें सभी 18 मंडलों के प्रधानाचार्य प्रतिभाग करेंगे। जनपदीय संरक्षक मार्कण्डेय सिंह व डा संजय सिंह व जिलाध्यक्ष योगेश शुक्ल ने कहा कि इस आयोजन से जनपद के प्रधानाचार्यों का उत्साह बढ़ेगा। प्रदेश नेतृत्व ने जनपदीय टीम पर जो भरोसा जताया है उसके अनुरूप बेहतर प्रयास होगा । मंत्री डा हरेंद्र प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष विद्याधर वर्मा, उपाध्यक्ष डा मनोज सिंह, कृष्णदेव द्विवेदी,मनोज कुमार सिंह,संजय द्विवेदी धर्मेन्द्र कुमार,संयुक्त मंत्री डा प्रमोद उपाध्याय,संरक्षण मंत्री चंद्रमा कौशिक पाण्डेय, सदस्य कार्यकारिणी अरुण मिश्रा,वीरेंद्र सिंह व कौशलेंद्र मिश्र ने कहा कि सम्मेलन की शानदार सफलता के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

मंडल अध्यक्ष भानुप्रताप मिश्रा, सिद्धार्थनगर जिलाध्यक्ष रमाकांत द्विवेदी,मंत्री व प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजेश द्विवेदी,कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा, संगठन मंत्री शेष नारायण पाण्डेय,संयुक्त मंत्री जयराम यादव,संतकबीरनगर जिलाध्यक्ष राजदेव त्रिपाठी व कोषाध्यक्ष डा राकेश कुमार चौधरी ने कहा कि ऐसे आयोजन से संगठन की गतिशीलता बढ़ती है।

टीम भावना से तैयारी करके जोरदार सम्मेलन कराया जाएगा। बैठक में डा बृजेश पासवान, कृष्ण विजय, आज्ञाराम चौधरी,विनय तिवारी,रामप्रीत यादव,सर्वेन्द्र नारायण द्विवेदी,सतीश रंजन सिंह, दिनेश चंद्र वर्मा,राजित राम वर्मा,संतोष पाण्डेय, विजय कुमार,खुशीर कुमार ने प्रतिभाग किया।

–18 मण्डलों के प्रधानाचार्य लेंगे हिस्सा, चुनौतियों पर व्यापक विमर्श की तैयारी

विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन हरैया विधानसभाध्यक्ष बने सतयुगीनाथ शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव आनन्द जायसवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सिंह रघुवंशी की संस्तुति पर सतयुगी नाथ शुक्ला को विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन का हरैया विधानसभा अध्यक्ष हरैया मनोनीत किया है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सिंह रघुवंशी ने प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धेश कुमार के साथ सतयुगी नाथ शुक्ला को मनोनयन पत्र सौंपा। कहा कि व्यापारियों का उत्पीड़न एकजुटता से रूकेगा और एसोसिएशन समस्याओं के समाधान के लिये हर स्तर पर पहल करेगा।

सतयुगी नाथ शुक्ला को विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन का हरैया विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्रा, महेश शुक्ल, विधायक अजय सिंह, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, पूर्व मंत्री राजकिशोर सिंह, सरोज मिश्रा,अरविंद पाल, मंडल अध्यक्ष इष्ट देव पाण्डे, जिलाध्यक्ष आशीष स्वामी(कल्लू बाबा)रोहित, ओमप्रकाश ठाकुर,जगदीश शुक्ला, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, कुंदन लाल वर्मा, आशीष उर्फ कल्लू स्वामी ,विवेकानंद शुक्ला, जानू गुप्ता ,मोहित, प्रमोद पाण्डेय, अनिल दुबे दिलीप पाण्डेय, रामकुमार ,दीपू तिवारी ,आंकार जायसवाल, विनोद चौरसिया, विक्की मोदनवाल, राजेंद्र प्रसाद गौड़, जगदीश अग्रहरि, राधेश्याम कमलापुरी, धर्मराज गुप्ता अभिषेक गौतम, रामकुमार शुक्ला, आलोक पाण्डेय, दीपक गुप्ता अनिल भारती, विकास, अरुण सिंह, प्रमोद गुप्ता, रोहन गुप्ता के साथ ही भाजपा और अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

परिषदीय शिक्षकों ने छात्रों में किया नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा पुस्तक का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर विकास खण्ड के कन्या प्राथमिक विद्यालय कठवतिया सॉवडीह में कक्षा 5 में नामांकित 10 बच्चों में नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क पुस्तक का वितरण किया गया।

सहायक अध्यापक बंशराज गुप्ता, और काली प्रसाद ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों में शिक्षा प्राप्ति की प्रबल इच्छा है किन्तु संसाधनों का अभाव उनके रास्ते में रोड़ा बन जाता है। विद्यालय के छात्र नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर अपना जीवन संवार सके इस उद्देश्य को लेकर स्वतः प्रयास करके 10 बच्चों में नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध कराया गया। बताया कि छात्रों को इसके लिये तैयारी भी करायी जा रही है। पूरा प्रयास है कि कन्या प्राथमिक विद्यालय कठवतिया सॉवडीह के छात्र नये कीर्तिमान बनाये।

चन्द्रिका सिंह अध्यक्ष, बालकृष्ण ओझा मंत्री बने

उ.प्र. प्राथमिक शिक्षक संघ के जनपदीय अधिवेशन में उठे मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का जनपदीय अधिवेशन और शिक्षकोन्यन गोष्ठी का कार्यक्रम राजकीय इण्टर कॉलेज के बहुद्देशीय हाल में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन और शिक्षोन्नयन गोष्ठी के बाद अयोध्या के जिलाध्यक्ष और प्रांतीय ऑब्जर्वर चुनाव पर्यवेक्षक नीलमणि त्रिपाठी और अयोध्या के जिलामंत्री चुनाव अधिकारी चक्रवर्ती सिंह की देखरेख में जनपदीय कार्यसमिति के पदों के चुनाव के लिए आवेदन लिए गए। चुनाव अधिकारी ने सर्वसम्मति से चन्द्रिका प्रसाद सिंह जिलाध्यक्ष, बालकृष्ण ओझा जिला मंत्री, दुर्गेश यादव जिला कोषाध्यक्ष, शिल्पी पाण्डेय महिला उपाध्यक्ष, रीना कन्नौजिया महिला संगठन मंत्री, अमित सिंह, रमाशंकर लाल, आनन्द कुमार, विजय यादव, शशि सिंह प्रचार मंत्री, आशीष दूबे ऑडीटर, राकेश कुमार पाण्डेय एकाउंटेन्ट घोषित किए गए।

चुनाव अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए दो, संयुक्त मंत्री के लिए तीन, उपाध्यक्ष के लिए नौ और संगठन मंत्री के लिए सात नामांकन होने से मतदान की स्थिति बनी। बताया कि जल्द ही इन पदों के निर्वाचन की तिथि घोषित करके पदाधिकारियों का चुनाव किया जाएगा। संघ के नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए चुनाव पर्यवेक्षक नीलमणि त्रिपाठी ने कहा कि आप सभी को पूरे जिले के शिक्षकों ने जो जिम्मेदारी दिया है उसका निष्ठा से निर्वहन करते हुए शिक्षक हित के लिए कार्य करें ताकि शिक्षक समस्याओं का जल्द निस्तारण हो सके। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने जो भरोसा किया है उनका पूरा प्रयास होगा कि वे उनके विश्वास पर खरा उतरें। नवनियुक्त जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा और जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि शिक्षकों की समस्याएं ही संघ की प्राथमिकता है। शिक्षकों के मान, सम्मान और अधिकार के लिए निरन्तर लड़ाई जारी रहेगी।अधिवेशन और शिक्षोन्नयन गोष्ठी में विवेककान्त पाण्डेय, रवीश मिश्र, संजय यादव, अशोक यादव, संजय चौधरी, सनद पटेल, बृजेश मिश्र, राजकुमार श्रीवास्तव, रुकनुद्दीन, अमरेन्द्र सिंह, अटल उपाध्याय, हरेंद्र यादव, मीरा चौधरी, माहेनूर, कंचन माला, भीमवती बौद्ध, रेहाना परवीन,उमाशंकर पाण्डेय,मुक्तेश्वर यादव, सुशील गहलोत, रामकल्प, शिशिर श्रीवास्तव, प्रसून श्रीवास्तव,बब्बन पाण्डेय, माखनलाल, असलम, प्रद्युम्न द्विवेदी, राजेश गिरी, संतोष मिश्र, पवन यादव, धर्मेंद्र, हृदय विकास, चंद्रशेखर पाण्डेय, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

–शिक्षकों के भरोसे पर खरा उतरूंगा–चन्द्रिका सिंह

राजन इण्टर नेशनल एकेडमी में केक काटकर मनाया मातृ दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को राजन इण्टर नेशनल एकेडमी में मातृ दिवस उत्साह और संकल्पों के साथ केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर माताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्रबन्ध निदेशक शिखा चतुर्वेदी ने इस मौके पर उपस्थित छात्र–छात्राओं, माताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि मां है तो हम हैं। संसार में मां के योगदान की किसी से तुलना नहीं की जा सकती। मां धरती है तो पिता आसमान की तरह। दोनों के संतुलन, स्नेह से जीवन आगे बढ़ता है। कहा कि मां की ममता का कोई तुलना नहीं। वह अपने सपनों को छोड़कर हमारे सपनों को जीती है। जब हम सो रहे होते हैं, तब भी मां जागती है – यह सोचकर कि कहीं हम असहज तो नहीं। मां थकती है, पर शिकायत नहीं करती। उसका प्यार बिना शर्त होता है – ना किसी स्वार्थ से जुड़ा, न किसी शर्त से। उन्होने छात्रों से कहा कि जीवन में किसी भी मोड़ पर अपनी मां को दुःख न दें, मां धरती की जीवित देवता हैं जिनके आंचल में हमारा संसार फलता फूलता है।

कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय ने कहा कि मातृ दिवस का दिन उन सभी माताओं को समर्पित दिन है, जिन्होंने हमें इस दुनिया में लाने, हमें पालने, सिखाने और एक अच्छा इंसान बनाने में अपनी पूरी जिंदगी लगा दी। मातृत्व कोई साधारण शब्द नहीं है, यह तो एक संपूर्ण भावना है – त्याग, ममता, प्रेम, धैर्य और सहनशीलता की पराकाष्ठा है।

प्रधानाचार्य शानू एन्टोनी ने कहा कि मातृ दिवस किसी त्योहार से कम नहीं। हम सबके जीवन में एक सुपरहीरो होती है हमारी मां । जब हम छोटे थे और डरते थे, तब मां ने ही हमें सीने से लगाया। जब हम गिरते थे, तो वही हमें उठाकर हिम्मत देती थी। माँ बिना कुछ कहे हमारी हर जरूरत समझ लेती है। संसार माता–पिता के प्रेम पर ही केन्द्रित है।

मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पुनीता पाण्डेय, रेखा श्रीवास्तव, पूनम गुप्ता, प्रमिला शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी, नीलम श्रीवास्तव, निशु उपाध्याय, शालिनी श्रीवास्तव,अन्नू सुष्मिता मन्ना, सुष्मिता पाण्डेय, नेहा अबरोल, आकृति पाण्डेय, सौम्या पाण्डेय, जानवी शुक्ला, दीपांजलि, रीना पाण्डेय, नैन्सी वर्मा, आकृति साहू, आकृति पाण्डेय, तहजीब फातिमा, अर्चना पटेल, अर्चना द्विवेदी, रूपा जायसवाल, सुषमा गुप्ता, हर्षिका शुक्ला, फातिमा सिद्दीकी, रजनी श्रीवास्तव, फरहत फातिमा, शहनाज यूनुस, नलिनी गुप्ता, ज्योति पाण्डेय, माया सिंह, मनीषा गुप्ता, प्रभा त्रिपाठी, श्रद्धा पाण्डेय, शालिनी श्रीवास्तव, कोमल गुप्ता, आशीष कसौधन, प्रेरणा सिंह, प्रभात त्रिपाठी, साक्षी मिश्रा, दीपाली वर्मा, माया शुक्ला, सिमरन गुप्ता, शालिनी श्रीवास्तव, अभिरामी, वैदिका गुप्ता, शिक्षा बरनवाल, रिया दुबे, खदीजा परवीन, अंजलि चौरसिया, अमित मिश्रा सहित अनेक शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

–संसार में मां के ममता की कोई तुलना नहीं– शिखा चतुर्वेदी

–माताओं को उपहार देकर सम्मानित किया

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 मई 2025 रविवार

सम्पादकीय

पाक की बौखलाहट

भारत— पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है और यदि विश्व स्तर पर कोई पहल न हुई तो स्थितियां घोषित युद्ध की ओर जा सकती है। दशकों से पाक पोषित आतंकवादियों के हमले झेल रहे भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में सधे—सटीक मिसाइल हमले करके आतंक की पाठशालाएं धवस्त कर दीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप—रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत—पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया। दरअसल, चीन व तुर्की को छोड़कर दुनिया के तमाम बड़े मुल्क आतंक से प्रभावित भारत के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वहीं सऊदी अरब के उपविदेश मंत्री अदेल अलीजुबैर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। जिन्हें पहलगाम हमले के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया। भारत ने आतंक को बढ़ावा देना बंद न करने तक बातचीत से इनकार किया।

मोदी सरकार, सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों तथा सेना के तीनों अंगों ने बेहतर तालमेल के साथ ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद पाक द्वारा किए हमलों को विफल बनाने के लिये पर्याप्त होमवर्क किया। लगातार बैठकों व संवाद के जरिये इस चुनौती के मुकाबले की रणनीति को अंजाम दिया। जिससे देश के जनमानस का भरोसा बढ़ा कि देश सही हाथों में है। अब तक भारत पाक पोषित आतंकवादी हमलों के बाद सिर्फ कूटनीतिक स्तर पर कार्यवाही की कोशिश करता रहा है। ऐसी स्थिति मुंबई हमले, संसद पर हुए हमले तथा पठानकोट एयर बेस पर हुए हमलों के बाद सामने आई। भारत सबूतों के आधार पर वैश्विक संगठनों से कार्रवाई की मांग करता रहा है। लेकिन पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना नये भारत की बदली रणनीति का पर्याय ही है। पहले पाक के परमाणु हथियार का डर दिखाकर भारत को कार्रवाई करने से रोका जाता रहा है। कालांतर में 2016 में उरी में 19 सैनिकों के मारे जाने पर नियंत्रण रेखा के पार व 2019 में पुलवामा विस्फोट के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की गई। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद सीधी कार्रवाई करके साफ संदेश दिया कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब आतंकवाद को सींचने वाले पाक पर भारत सीधी कार्रवाई करेगा। भारत ने पहले पूरी दुनिया को पुलवामा हमले की साजिश के सबूत दिए और फिर कार्रवाई की। यही वजह है कि दुनिया के तमाम देश भारत के पक्ष में खड़े नजर आए। अब भारत ने महज अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गुहार लगाना बंद कर दिया है। निश्चय ही यह रणनीति मनोवैज्ञानिक दबाव बढ़ाने के बजाय अमेरिका व इस्राइल की तर्ज पर घर में घुसकर मारने की रणनीति है। बहरहाल, भारत ने दुनिया को बता दिया कि पाक अपनी जमीन पर आतंकियों को प्रशिक्षण व समर्थन तो देता है लेकिन उनके विरुद्ध कार्रवाई से बचता है। वहीं दूसरी ओर भारत ने परंपरागत युद्ध शैली से हटकर नई तकनीकों का भरपूर उपयोग किया। भारतीय रक्षा कवच एस—400 यानी सुदर्शन चक्र आदि का पाक हमलों को विफल करना नवीनतम तकनीकों का ही प्रतिफल है।

मुस्लिम देशों में भी अलग—थलग पड़ता पाकिस्तान

—पुष्परंजन—

चाड के राजनयिक हिसेन ब्राहिम ताहा, 57 देशों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 12वें महासचिव हैं। 17 नवम्बर, 2021 से वो इस पद को सम्हाल रहे हैं। ताहा, तुर्किये के राष्ट्रपति रिजप तैय्यप एर्दोआन के 'यस मैन' माने जाते हैं। ताहा की आत्मा, तुर्की और एर्दोआन में बसी रहती है। वर्ष 1969 में अपनी स्थापना के बाद से तुर्की, इस्लामिक सहयोग संगठन में एक प्रमुख खिलाड़ी की भूमिका में रहा है। ओआईसी के कई सारे सदस्य मानते हैं, कि तुर्की इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। न्यूयार्क से जारी अपने बयान में, ओआईसी ने दोनों पक्षों के बीच मतभेदों को 'अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से' हल करने का भी आह्वान किया। लेकिन, भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा, कि यह दो देशों के बीच का मामला है, इसमें आपकी नसीहत की जरूरत नहीं।

पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रखकर एर्दोआन जो दाव चल रहे हैं, उससे पूरी दुनिया वाकिफ है। विगत 56 वर्षों से शह—मात का यह खेल चल रहा है। वर्ष 1969 में मोरक्को के किंग हसन द्वितीय ने रबात में 1969 के शिखर सम्मेलन के लिए भारत सरकार को आमंत्रित किया। लेकिन, पाकिस्तान के तत्कालीन शासक जनरल याह्या खान द्वारा, बैठक से बाहर निकलने की धमकी दिए जाने के बाद, शाह हसन द्वितीय ने भारतीय प्रतिनिधियों से बैठक में शामिल न होने का अनुरोध किया।

पाकिस्तान, तेहरान में ओआईसी 1994 सम्मेलन के दौरान, सदस्य देशों को 'कश्मीर पर ओआईसी संपर्क समूह' बनाने के लिए राजी करने में सफल रहा। इस्लामी सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की परिषद का 46वां सत्र 1 और 2 मार्च, 2019 को अबू धाबी में आयोजित किया गया था। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को संयुक्त अरब अमीरात के उनके समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान द्वारा उद्घाटन समारोह को संबोधित करने के लिए 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में आमंत्रित किया गया था। तब पाकिस्तान को शदीद मिर्ची लगी।

पाकिस्तान ने भारत द्वारा अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का हवाला देते हुए उसे शिखर सम्मेलन से निष्कासित करने की मांग की। ओआईसी ने पाकिस्तान के अनुरोध पर कश्मीर संपर्क समूह की आपातकालीन बैठक बुलाई, यह बैठक 26 फरवरी, 2019 को हुई। हालांकि, ओआईसी ने भारत द्वारा पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के उल्लंघन की निंदा की, लेकिन, यूएई ने भारत को निमंत्रण वापस करने से इनकार कर दिया। सुषमा स्वराज उस मंच पर गयी, और अपने ओजपूर्ण भाषण से पाकिस्तान को एक्सपोज किया। सभी सदस्य इस बात पर सहमत हुए, कि आतंकवाद को बढ़ाया जाना दक्षिण एशिया के लिए खतरनाक है। ओआईसी के मंच पर यह पाकिस्तान की पहली हार थी।

इमरान खान के समय सऊदी अरब से भी ठन गई, जो ओआईसी का दबंग देश है। जेद्दा में ओआईसी का मुख्यालय सऊदी खर्चे पर ही चल रहा है। अन्य कई पूर्वाग्रहों के अलावा पाकिस्तान, सऊदी से इस बात पर भी खार खाये था, कि कश्मीर मुद्दे पर वो खुलकर उसका समर्थन नहीं कर रहा। शाह महमूद कुरैशी सऊदी अरब से तपे हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि क्वालालम्पुर सम्मेलन में जाने से हमें रियाद ने रोका था। फाइनेंशियल टाइम्स अखबार के अनुसार, कुरैशी की टिप्पणियों से सऊदी अरब के अधिकारी भड़क गए, जो ओआईसी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उसने 3६.2 बिलियन डॉलर की तेल ऋण सुविधा को रोक दिया, और पाकिस्तान से 3 बिलियन डॉलर के ऋण का कुछ हिस्सा चुकाने की मांग की। सिर्फ इतने भर से पाकिस्तान की हवा निकल गई। उन दिनों इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। शाह महमूद कुरैशी ने एक ब्रॉडकास्टर के जरिये बयान दिया, 'मैं एक बार फिर सम्मानपूर्वक ओआईसी से कह रहा हूं कि विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक हमारी अपेक्षा है कि कश्मीर पर बैठक बुलाएँ। हमारी अपनी संवेदनशीलताएं हैं। खाड़ी देशों को यह समझना चाहिए।'

वर्ष 1994 में कश्मीर पर जो ओआईसी संपर्क समूह बनाया गया था, उसमें सऊदी अरब, तुर्की, पाकिस्तान, अजरबैजान और नाइजर शामिल रहे हैं। बाद में सऊदी अरब, नाइजर और अजरबैजान इस मुद्दे पर मौन रह गए। संपर्क समूह, ओआईसी सदस्यों के बीच बढ़ते सहयोग, कश्मीरी लोगों का तथाकथित स्वशासन और स्वायत्तता को समर्थन करने पर जोर देता था। पाकिस्तानी प्रशासन की हमेशा से यह हठधर्मिता रही है, कि इस मामले को संयुक्त राष्ट्र के रेजोल्यूशन के अनुसार कश्मीर का भविष्य तय किया जाना चाहिए। दरअसल, 1964, 1972, 1999 और 14 से 16 जुलाई, 2001 तक आहूत आगरा शिखर सम्मेलन में भी कश्मीर समस्या का समाधान पकिस्तान ने होने नहीं दिया।

वाशिंगटन स्थित वुडरो विल्सन सेंटर फॉर स्कॉलर्स के दक्षिण एशिया विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन एक ईमेल के जरिये रिएक्ट करते हैं, 'पाकिस्तान के पास वास्तव में कश्मीर पर कोई योजना नहीं है। यह पिछले कई वर्षों से कूटनीतिक आक्रमण कर रहा है, लेकिन ऐसे देश के लिए बिल्कुल नई बात नहीं है। पाकिस्तान लंबे समय से वैश्विक मंचों पर कश्मीर मुद्दे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इससे एक स्वाभाविक प्रश्न उठता है, यदि अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक अभियान सफल नहीं होता है, तो इसकी दूसरी योजना क्या है?'

विशेषज्ञों का यह भी कहना है, कि कश्मीर पर पाकिस्तान की विदेश नीति में स्पष्टता का अभाव है, जो शासक आता है, कश्मीर उसकी कुर्सी मजबूत रखने का बाइस बन जाता है। इस्लामाबाद के कायदे—आजम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सहायक प्रोफेसर, 'पाकिस्तान फैक्टर एंड द कम्पिटिन्ग पर्सपेक्टिव इन इंडिया' के लेखक राजा कैसर अहमद कहते हैं, 'स्थिति में आक्रामक कूटनीति की आवश्यकता है। चीन, मलेशिया और तुर्की के अलावा, कोई भी अन्य देश कश्मीर पर इस्लामाबाद का समर्थन नहीं करता है।' अर्थात, इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 में से केवल दो देश कश्मीर के इश्यू पर पाकिस्तान के साथ खड़े हैं। यह तो बड़ी शर्मनाक स्थिति है।

ओआईसी के मंच पर कश्मीर का रोना रोकर पाकिस्तान, वित्तीय सहायता हथियाता रहा है, यह ढंकी—छिपी बात नहीं रह गई। जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रोफेसर वली नस्र ने कहा, कि रियाद द्वारा नई दिल्ली की कश्मीर नीति पर भारत के खिलाफ कदम उठाने की संभावना दूर—दूर तक नहीं है। नस्र ने कहा, 'सऊदी अरब भारत को एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार के रूप में देखता है। तो क्या पाकिस्तान अब कश्मीर पर नए सहयोगियों की तलाश में है? इस समय जो संघर्ष चल रहा है, उसमें पाकिस्तान जिस तरह से अलग—थलग पड़ता जा रहा है, वह आने वाले दिनों में उसके लिए कुछ दूसरी तरह की मुश्किलें खड़ी करेगा, जिसकी शुरुआत उसकी घरेलू राजनीति से ही होगी!

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रक्षा तकनीक से लैश ऑपरेशन सिंदूर

—डॉ. शशांक द्विवेदी—

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बीते 6–7 मई की रात को शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सटीक सैन्य अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था। यह अभियान 22 अप्रैल को जम्मू—कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य आतंकी संगठनों के बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करना और भारत में भविष्य के हमलों को रोकना था।

योजना की शुरुआत पहलगाम हमले के तुरंत बाद हुई, जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को खुफिया एजेंसियों और राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। लक्ष्यों की पहचान के लिए सैटेलाइट इमेजरी, मानव खुफिया जानकारी और इंटरसेप्टेड संचार का उपयोग किया गया। ऑपरेशन को गोपनीय और सटीक रखने के लिए केवल शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सरकारी नेतृत्व को इसकी जानकारी थी। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले आतंकी ठिकानों तक सीमित रहें।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना, नौसेना, और वायुसेना ने संयुक्त रूप से काम किया, जो 54 वर्षों में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर हुआ। भारतीय वायुसेना ने राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों को तैनात किया, जो सटीक हमलों के लिए महत्वपूर्ण थे। थल सेना ने एम777 हल्की होवित्जर तोपों के साथ सहायता प्रदान की, जबकि नौसेना ने समुद्री निगरानी और समर्थन में योगदान दिया। विशेष बलों ने ऑपरेशन से पहले लक्ष्यों की टोह ली और हमलों के बाद नुकसान का आकलन किया। ऑपरेशन के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी साझा की गई। जिसमें बताया गया कि नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। खुफिया एजेंसियों, विशेष रूप से रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), ने लक्ष्यों का चयन किया, जैसे कि बहावलपुर में जैश—ए—मोहम्मद का मरकज सुभान अल्लाह और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप।

ऑपरेशन में अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों का उपयोग किया गया। भारतीय वायुसेना ने राफेल विमानों से स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर सटीक—निर्देशित बम दागे। स्कैल्प मिसाइलें स्टील्थ तकनीक से लैस थीं, जो रडार से बचकर कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं और 450 किलोग्राम वॉरहेड के साथ बंकरों को नष्ट करने में सक्षम हैं। हैमर बमों में जीपीएस और लेजर गाइडेंस सिस्टम था, जो रात और प्रतिकूल मौसम में भी सटीक हमले सुनिश्चित करता है।

मिराज 2000 जेट्स ने स्पाइस 2000 और पोपआई बमों का उपयोग किया, जबकि एम777 होवित्जर तोपों से एक्सकैलिबर 155 मिमी सटीक—निर्देशित गोले दागे गए। आत्मघाती ड्रोन, जैसे स्काईस्ट्राइकर लॉइटरिंग म्युनिशन, ने छोटे लेकिन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को नष्ट किया। मेटियोर मिसाइलों ने हवाई सुरक्षा सुनिश्चित की। इन हथियारों ने भारत की सैन्य तकनीक में उन्नति को प्रदर्शित किया, जो 2019 के बालाकोट हमले की तुलना में अधिक सटीक और प्रभावी थी। ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक ने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेरॉन ड्रोन ने रीयल—टाइम सर्विलांस और माइक्रो—म्युनिशन हमलों में योगदान दिया। स्काईस्ट्राइकर जैसे कामिकेज ड्रोन ने लक्ष्यों पर लंबे समय तक मंडराकर सटीक हमले किए। सैटेलाइट इमेजरी ने लक्ष्यों की सटीक स्थिति और नुकसान के आकलन में मदद की।

थर्मल इमेजिंग और इलेक्ट्रो—ऑप्टिकलध्इन्फ्रारेड सिस्टम ने रात के ऑपरेशन को संभव बनाया। ड्रोन ने 100 किलोमीटर की गहराई तक प्रवेश किया, जिससे पाकिस्तानी रडार को चकमा देने में मदद मिली। सैटेलाइट डेटा ने हमलों के बाद मरकज सुभान अल्लाह जैसे ठिकानों के पूर्ण विनाश की पुष्टि की। ऑपरेशन की कमान एनएसए अजीत डोभाल ने संभाली, जो तीनों सेनाओं के साथ समन्वय में थे। पीएम मोदी ने ऑपरेशन की निगरानी की और अंतिम स्वीकृति दी। एक छोटी, गोपनीय टीम ने लक्ष्यों की निगरानी और सर्विलांस किया। कमांड सेंटर ने रीयल—टाइम डेटा और ड्रोन फुटेज का उपयोग करके हमलों को सिंक्रनाइज किया।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 13 देशों के राजदूतों को ऑपरेशन की जानकारी दी, जिससे भारत की कूटनीतिक पारदर्शिता प्रदर्शित हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेना प्रमुखों के साथ समीक्षा की। यह प्रणाली भारत की सैन्य और कूटनीतिक समन्वय की परिपक्वता को दर्शाती है। ऑपरेशन सिंदूर ने कई भू—राजनीतिक और भौगोलिक चुनौतियों का सामना किया। पाकिस्तान की परमाणु क्षमता और चीन का समर्थन एक जटिल भू—राजनीतिक स्थिति पैदा करता है। भारत ने सटीक और सीमित हमलों के माध्यम से युद्ध की संभावना को कम किया। भौगोलिक रूप से, लक्ष्य पाकिस्तान के पंजाब और पीओके के पहाड़ी क्षेत्रों में थे, जहां रात के समय सटीक हमले चुनौतीपूर्ण थे।

ऑपरेशन को रात 1रू05 से 1रू30 बजे के बीच अंजाम दिया गया। स्टील्थ तकनीक, जैसे स्कैल्प मिसाइलें और राफेल विमानों की कम—ऊंचाई उड़ान, ने पाकिस्तानी रडार को चकमा दिया। डिकॉय मिशन, जैसे भारत में 244 जिलों में मॉक ड्रिल की घोषणा, ने पाकिस्तान को भ्रमित किया। सभी नौ लक्ष्यों पर एक साथ हमला किया गया। यह रणनीति भारत की सैन्य परिपक्वता और तकनीकी उन्नति को दर्शाती है।भारत आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति पर अडिग है। ऑपरेशन ने भारत की सैन्य शक्ति, कूटनीतिक परिपक्वता, और वैश्विक जिम्मेदारी को प्रदर्शित किया। ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया, बल्कि वैश्विक मंच पर एक जिम्मेदार और प्रगतिशील शक्ति के रूप में उसकी छवि को भी उभारा।—लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं।

महंगाई, मुनाफाखोरी और कालाबाजारी

— डॉ.सत्यवान सौरभ—

जब भी किसी देश में संकट का साया मंडराता है, सबसे पहले आम जनता पर इसका असर पड़ता है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि संकट के दौर में महंगाई, कालाबाजारी और जमाखोरी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर देशभर में खाद्य पदार्थ, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कालाबाजारी की खबरें सुर्खियों में हैं। इन मुश्किल हालातों के बीच सरकार ने जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई का ऐलान किया है। सवाल यह है कि क्या इन घोषणाओं से वास्तव में कोई फर्क पड़ेगा या फिर यह भी अन्य सरकारी वादों की तरह सिर्फ कागजी सख्ती बनकर रह जाएगी?

इतिहास गवाह है कि जब—जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है, तब—तब न केवल सीमावर्ती इलाकों में, बल्कि पूरे देश में खाद्य पदार्थों और ईंधन की किल्लत का माहौल पैदा हुआ है। यह समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक भी है। राजनीतिक लाभ के लिए कई बार जमाखोरी और कालाबाजारी को न केवल नजरअंदाज किया जाता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित भी किया जाता है। सरकारें अक्सर महंगाई और किल्लत को श्राष्ट्रीय सुरक्षाश के नाम पर सही ठहराती रही हैं। यह एक प्रचलित नीति है कि संकट के समय लोगों का ध्यान भटकाने के लिए देशभक्ति की भावना को उभारा जाता है, लेकिन इसका खामियाजा आम नागरिक को भुगतना पड़ता है।

सरकार द्वारा जारी सख्त निर्देशों के बावजूद, जमीनी स्तर पर इनका क्रियान्वयन हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। आमतौर पर, प्रशासनिक अधिकारी इन्हें गंभीरता से नहीं लेते या फिर स्थानीय व्यापारियों और नेताओं के दबाव में आंखें मूंद लेते हैं। यह एक खुला राज है कि कालाबाजारी करने वाले अक्सर राजनीतिक संरक्षण में फलते—फूलते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सिर्फ आदेश जारी कर देने से समस्या का समाधान हो जाएगा? क्या प्रशासनिक मशीनरी अपने काम में पारदर्शिता और ईमानदारी से कार्य करेगी या फिर यह भी केवल फाइलों में बंद होकर रह जाएगा?

जब जमाखोरी होती है, तो इसका सबसे बुरा असर आम जनता पर पड़ता है। महंगाई आसमान छूने लगती है, जरूरी वस्तुएं बाजार से गायब हो जाती हैं, और लोगों को मजबूरी में अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। सरकारें राहत पैकेज और सस्ते राशन की योजनाएं तो बनाती हैं, लेकिन उनका लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचना अक्सर एक चुनौती बन जाता है। इसके पीछे केवल भ्रष्टाचार ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को इसका सबसे अधिक खामियाजा उठाना पड़ता है।

सरकार ने साफ कर दिया है कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई होगी, लेकिन क्या यह वादा हकीकत में बदल पाएगा? क्या सरकारी तंत्र इस बार वाकई में सख्त रुख अपनाएगा या फिर यह भी अन्य सरकारी निर्देशों की तरह समय के साथ फीका पड़ जाएगा? वास्तविक सुधार तभी संभव है जब सरकार अपने सख्त निर्देशों को जमीनी हकीकत में बदलने के लिए ठोस कदम उठाए।

हर जिले में वस्तुओं की उपलब्धता और वितरण की पारदर्शी जानकारी दी जाए। इससे आम जनता को वस्तुओं की वास्तविक स्थिति का पता चल सके और अफवाहों का अंत हो।डिजिटल प्लेटफॉर्म और ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग कर स्टॉक और मूल्य में पारदर्शिता लाई जाए। तकनीकी साधनों का उपयोग करके जमाखोरी और कालाबाजारी की निगरानी करना आज के डिजिटल युग में आसान हो सकता है।

दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ—साथ सार्वजनिक रूप से नाम उजागर किया जाए ताकि लोग इस तरह की गतिविधियों से दूर रहें। जनता को इस लड़ाई में भागीदार बनाया जाए ताकि कालाबाजारी करने वालों की पहचान आसानी से हो सके। सामुदायिक सतर्कता समूहों का गठन किया जाए जो नियमित रूप से बाजार की स्थिति पर नजर रखें। संकट के समय गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को आर्थिक सहायता और सब्सिडी के माध्यम से राहत दी जाए।

सिर्फ घोषणाओं से समस्याएं खत्म नहीं होतीं, बल्कि ठोस और ईमानदार क्रियान्वयन से ही सुधार संभव है। अगर सरकार वास्तव में कालाबाजारी पर नकेल कसना चाहती है, तो उसे अपनी नीतियों और प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करना होगा। वरना, यह सख्ती भी महज एक श्खोखला नाराश बनकर रह जाएगी। जनता को भी सतर्क रहना होगा, ताकि कोई जमाखोर उनका हक न छीन सके।

केवल आदेश और घोषणाओं से समस्याएं समाप्त नहीं होतीं, बल्कि ठोस और ईमानदार क्रियान्वयन से ही सुधार संभव है। सरकार को यह समझना होगा कि महंगाई और कालाबाजारी का मुद्दा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि एक नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है। जब तक प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और इच्छाशक्ति नहीं होगी, तब तक जमीनी सुधार की उम्मीद बेमानी है। सरकारी नीतियों का केवल कागजी सख्ती तक सीमित रह जाना न केवल जनता के साथ विश्वासघात है, बल्कि एक लोकतांत्रिक देश के मूल सिद्धांतों का भी अपमान है।

इसके अलावा, आम जनता को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों की पहचान में सहयोग करना, जरूरतमंदों की मदद करना और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना समय की मांग है। सिर्फ आलोचना से समस्या का हल नहीं होगा, बल्कि सामूहिक प्रयास से ही एक स्वस्थ और समतामूलक समाज का निर्माण हो सकता है। वरना यह सख्ती भी महज एक श्खोखला नाराश बनकर रह जाएगी, और आम आदमी का संघर्ष कभी खत्म नहीं होगा।

पहले बहू फिर सास ने की खुदकुशी, घरेलू झगड़े से आजिज होकर दोनों ने उठाया आत्मघाती कदम

संवाददाता–गोण्डा। घरेलू कलह से तंग आकर बहू और सास ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। उधर, दो मौतों से गांव में हड़कंप मच गया। दोनों ने पारिवारिक विवाद के चलते ये आत्मघाती कदम उठाया। सूचना मिलने पर पुलिस दोनों को शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। उधर, दो मौतों से गांव में हड़कंप मच गया। इटियाथोक थाने के एसओ शेषमणि पांडे ने बताया कि वारदात के समय संगीता का बच्चा और छोटका देवी का विकलांग पति घर में मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि बच्चे के रोने की आवाज सुनकर पड़ोसियों ने घर का दरवाजा तोड़ा, लेकिन तब तक संगीता की मौत हो चुकी थी। घटना के समय संगीता का पति और उसके तीन देवर बाहर काम कर रहे थे। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। थाना प्रभारी के मुताबिक तहरीर मिलने पर आगे जांच की जाएगी। का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के 10 मिनट बाद उसकी 62 वर्षीय छोटका देवी खेत की ओर जाकर पेड़ से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। इटियाथोक थाने के एसओ शेषमणि पांडे ने बताया कि वारदात के समय संगीता का बच्चा और छोटका देवी का विकलांग पति घर में मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि बच्चे के रोने की आवाज सुनकर पड़ोसियों ने घर का दरवाजा तोड़ा, लेकिन तब तक संगीता की मौत हो चुकी थी। घटना के समय संगीता का पति और उसके तीन देवर बाहर काम कर रहे थे। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। थाना प्रभारी के मुताबिक तहरीर मिलने पर आगे जांच की जाएगी।

बौद्ध जीवनदर्शन एवं बौद्ध विचारों की प्रासंगिकता पर परिचर्चा

संवाददाता–बहराइच। विश्व बौद्ध शोध संस्थान–संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में नगर क्षेत्र स्थित मांटेसरी कॉलेज (मेवातीपुरा) में बौद्ध जीवन दर्शन एवं वर्तमान में बौद्ध विचारों की प्रासंगिकता विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया। नगर क्षेत्र स्थित इंटर कॉलेज में विद्यार्थी, शिक्षक, प्राचार्य, समाजिक संगठन से जुड़े प्रतिनिधि, शिक्षाविद, कानूनविद, पर्यावरण विद व समाजसेवियों ने आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। और भगवान बुद्ध के बताए गए विचारों से समाज एवं राष्ट्र को मजबूत बनाने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी पूजा चौधरी कहा कि, भगवान बुद्ध ने अहिंसा एवं परोपकार का प्रभावी संदेश पूरे विश्व को दिया जिनके विचारों पर चलकर हम शांति एवं समृद्धि स्थाई रूप से ला सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि समाजसेवी यशवेंद्र विक्रम सिंह ने भगवान बुद्ध के विचारों से जन जन को जोड़कर देश मे सुख समृद्धि एवं स्थायित्व लाने का आवाहन किया। आयोजक महामना मालवीय मिशन अध्यक्ष (अवध क्षेत्र) संजीव श्रीवास्तव एडवोकेट थे। चर्चा परिचर्चा, निबन्ध लेखन व चित्र प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। संचालन प्रबंधक (मांटेसरी कॉलेज) आरपीएन श्रीवास्तव ने किया। साहित्यकार रमेश चन्द्र तिवारी, प्रमोद सिंह चौहान एडवोकेट, अमित वर्मा नवोदयन, समाजसेवी डॉ. अनीता जायसवाल, प्राचार्य रीति मुरारी श्रीवास्तव, सविधान विशेषज्ञ अनिल त्रिपाठी आदि थे।

खाद गड्ढा की जमीन में था ईदगाह, प्रशासन ने ढहाया

संवाददाता–महराजगंज। ठूठीबारी के ग्राम रामनगर के दीवान टोला में स्थित एक ईदगाव को प्रशासन ने भारी फोर्स के साथ जेसीबी से गिरवा दिया। यह ईदगाह राजस्व विभाग की पैमाइश के बाद खाद गड्ढे की जमीन में बना पाया गया था। निचलौल एसडीएम, सीओ व कोतवाल फोर्स के साथ मौजूद रहे। कुछ ही देर में इस ईदगाह को गिरा दिया गया। राजस्व विभाग के अनुसार ग्राम सभा रामनगर के दीवान टोला में गाटा संख्या 296 में खाद गड्ढा की 0.077 हेक्टेयर भूमि है। इसमें 0.032 हेक्टेयर में अवैध रूप से ईदगाह का निर्माण कराया गया है। इसको लेकर राजस्व अधिकारियों द्वारा कई बार चेतावनी देकर अतिक्रमण खाली कराने को कहा गया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद शनिवार को एसडीएम निचलौल शैलेन्द्र कुमार, सीओ अनुज सिंह व ठूठीबारी प्रभारी कोतवाल महेंद्र मिश्रा मय फोर्स मौके पर पहुंचे। राजस्व टीम के मनीष पटेल व भारतेंदु मिश्रा भी वहां मौजूद रहे। प्रशासनिक टीम की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से ईदगाह को ढहा दिया गया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। बीते 28 अप्रैल को रामनगर के दीवान टोले पर ही पोखरी की जमीन पर बनाये गये अवैध मदरसा को गिराया गया था। खाद गड्ढा की भूमि में ईदगाह का अवैध निर्माण कराया गया था। पैमाइश कराने के बाद जेसीबी से पूरा ध्वस्त कर दिया गया है। मौके पर पुलिस फोर्स भी मौजूद थी। गांव में शांति व्यवस्था कायम है। शैलेन्द्र गौतम, एसडीएम, निचलौल

डंफर की ठोकर से देवरिया के बाइक चालक की मौत, छोटा भाई घायल

संवाददाता–कुशीनगर। महराजगंज निवासी रिश्तेदार के यहां से लौट रहे देवरिया के बाइक चालक को शनिवार को हाटा कप्तानगंज मार्ग पर तेज रफ्तार डंफर ने ठोकर मार दी। हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा उनका छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजवाया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कैलाश सिंह 55 पुत्र मंगनू सिंह निवासी बसंतपुर बैतालपुर जिला देवरिया अपने छोटे भाई चंद्रभान सिंह के साथ महराजगंज जिले के निचलौल निवासी रिश्तेदार के यहां गए थे। शनिवार को बाइक से घर वापस जा रहे थे। हाटादृकप्तानगंज मार्ग पर स्थित बेलवा सुदामा से पहले मोहम्मदगंज मवन नाला के कुछ ही दूरी पर एक डंफर ने जबरदस्त ठोकर मार दी। जिससे कैलाश की मौके पर मौत हो गई। बाइक पर बैठे उसके भाई चंद्रभान गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची डायल 112 तथा हाटा पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजवाया। आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है।

श्याम मंदिर में लोगों को कराया योगाभ्यास

संवाददाता–गोंडा। शहर के श्याम मंदिर में शनिवार को योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी की ओर से लोगों को योगाभ्यास कराया गया। साथ ही विभिन्न योगासनों और प्राणायाम के संबंध में जानकारी दी। योगाचार्य ने कहा कि योग अपनी सांस पर ध्यान देते हुए विभिन्न मुद्राओं में रहने की कला है। शिविर में अमित गर्ग, सचिन,राजेश अग्रवाल, मुकेश, ऋषभ, नीलम, मेघा, नीतू,श्वेता, रुचि, मीनू, बेनू,साधना,कविता आदि मौजूद रहीं।

गांव–गांव जारी की जा रही चेतावनी, सोशल मीडिया पर विशेष सतर्कता

संवाददाता–श्रावस्ती। भारत पाकिस्तान के अघोषित युद्ध को देखते हुए जिला प्रशासन चौकन्ना हो गया है। जिले भर में कड़ी चौकसी बरती जा रही है और लोगों को आपात स्थिति से निपटने की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए पुलिस टीम तैनात कर दी गई है। नेपाल सीमा पर विशेष सतर्कता के लिए पैदल गश्त किया जा रहा है। भारत–पाकिस्तान तनाव को देखते हुए जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में आला अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट में बैठक की।

बैठक में जिलाधिकारी ने समीअधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में कहीं भी पैनिक स्थिति न होने पाए। इस दौरान प्रायः जमाखोरी होती है। इसलिए अधिकारी विशेष ध्यान रखें कि वस्तुओं की जमाखोरी न होने पाए। यदि इस प्रकार की स्थिति की जानकारी मिलती है तो तत्काल कार्रवाई करें। इसके साथ ही दवा की दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में दवाओं की उपलब्धता रहे। सोशल मीडिया पर फैलाई अफवाह को होंगे पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने बताया सोशल मीडिया पर भी सक्रिय निगरानी की जा रही है। यदि कोई भी व्यक्ति आपत्तिजनक पोस्ट, कमेंट करते पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक में मौजूद लोगों से कहा गया कि यदि उनके जानकारी में कोई भी व्यक्ति ऐसा करता है तो उसकी तत्काल सूचना पुलिस अथवा उच्चाधिकारियों को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। इसी के साथ फर्जी नामों से सिम लेकर अफवाह फैलाने वालों को भी चिन्हित करके कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नेपाल सीमा पर हो रही कड़ी निगरानी, पुलिस को दें सूचना नेपाल राष्ट्र के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा लगी है। खुला बार्डर होने के कारण यह सम्भव है कि देश विरोधी अवांछनीय तत्व सीमा पर से जनपद में आकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं। इसके लिए सीमावर्ती ग्रामों में कड़ी चौकसी के साथ सतत निगरानी रखी जा रही है। एसपी व अन्य अधिकारी प्रतिदिन सीमा का दौरा कर रहे हैं और लोगों से अपील की जा रही है कि प्रत्येक संवेदनशील वस्तुओं, व्यक्तियों इत्यादि की जानकारी पुलिस को दें। गांवों की सुरक्षा समितियों को किया गया सक्रिय डीएम ने बताया कि गांवों में गठित सुरक्षा समितियों को सक्रिय कर दिया गया है। इसके साथ ही पुलिस टीम को गांव गांव भेज कर लोगों को आपात स्थिति से निपटने की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि आपात स्थिति में क्या करें और क्या न करें। इसके साथ ही शान्ति अथवा सौहार्द बिगाड़ने वाली किसी भी घटना से निपटान के लिए तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। भयभीत हैं जम्मू में मजदूर,लौट रहे हैं घर गिलौला। गिलौला क्षेत्र के ग्राम पंचायत रायपुर बिलेला के मजरा कोड़री गांव के करीब 40 लोग ऐसे हैं। जो काफी अरसे से जम्मू में रह कर मजदूरी करते हैं। कुछ लोग अपना धंधा करते हैं। लेकिन भारत पाकिस्तान तनाव को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा लोग अपना कारोबार छोड़कर जम्मू से वापस घर आ रहे हैं। कोड़री निवासी रामखेलावन ने बताया कि जम्मू में इस समय हालत बहुत नाजुक है।

हमेशा बमबारी और हमले का डर लगा रहता है। जम्मू प्रशासन रोज चेतावनी जारी कर रहा है। वहीं विनोद कुमार ने बताया कि जम्मू के हालात खराब हैं और अपना काम बंद करके घर के लिए निकल लिए हैं। रात दिन डर का माहौल रहता है। शांतिपूर्ण तरीके से पढ़ी गई नमाज शुक्रवार को मस्जिदों में शांतिपूर्ण तरीके से नमाज पढ़ी गई। पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। भिनगा के ईदगाह तिराहे पर नमाज के दौरान मौड़ रही। लेकिन कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया गया। इसी तरह से इकौना में मस्जिदों में नमाज शांतिपूर्ण तरीके से पढ़ी गई।

मुख्यमंत्री उद्दम ऋण योजना में फर्जीवाड़ा, बैंक मैनेजर और सहयोगी गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्यमंत्री उद्दम ऋण योजना में बड़े वित्तीय घोटाले का पुलिस ने खुलासा किया है। इंडियन बैंक रेहरा बाजार के शाखा प्रबंधक अयोध्या प्रसाद जौहरी और उनके सहयोगी बृजेश कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। सुनील कुमार वर्मा ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी थी। उन्होंने योजना के तहत 9 लाख रुपए का ऋण आवेदन किया था। उन्हें केवल 99 हजार रुपए मिले, जबकि 7 लाख रुपए बैंक मैनेजर और उनके सहयोगियों ने निकाल लिए।

पुलिस ने धारा 420, 409, 120बी के तहत मामला दर्ज किया। अयोध्या प्रसाद को दतौली पुल के पास से और बृजेश सिंह को पावर हाउस के पास से पकड़ा गया।

पूछताछ में बैंक मैनेजर ने कबूला कि उन्होंने जानबूझकर ग्रामीण क्षेत्र में पोस्टिंग ली। फर्जी बिल और कोटेशन से लोन पास कराए जाते थे। एजेंटों के जरिए रकम वापस मंगवाकर खुद रख ली जाती थी।

इससे पहले असिस्टेंट मैनेजर अतिन सक्सेना और सीएसओ संचालक रिंकू शर्मा को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। दो और आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस की इस कार्रवाई से योजना में चल रहे भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हुआ है।

खाना बनाते समय सिलेंडर से लगी आग, फूस का घर राख

संवाददाता–महराजगंज। परतावल क्षेत्र के ग्राम सभा लक्ष्मीपुर जरलहिया में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर से आग लग गई। इस घटना में रहियसी फूस का घर जल गया और सभी सामान जलकर राख हो गए। गांव निवासी श्रवण की पत्नी विन्द्रावती दोपहर में खाना बना रही थी। इसी बीच अचानक सिलेंडर से घर में आग लग गई और देखते ही देखते पूरी झोपड़ी जलकर राख हो गई। यह परिवार काफी गरीब है जो झोपड़ी में रहकर अपना जीवन यापन करता है। विन्द्रावती ने बकरियां पाल रखी थीं, जिससे अपना जीवन यापन करती थी। आग लग जाने के कारण एक बाइक, पां बकरियां, बाक्स में रखे जेवर, अन्य सामान सहित गुमटी व अनाज जल कर राख हो गया।

मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने से पहले ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था। फायर सर्विस के लोगों ने आग को पूरी तरह से बुझाया। मौके पर श्यामदेउरवा थाने के सब इंस्पेक्टर अक्षय सिंह, राजेश सिंह तथा दीवान संजय सिंह भी पहुंचे थे।

राष्ट्रीय लोक अदालतः 1.52 लाख से अधिक मामलों का निपटारा, 6.58 करोड़ रुपए की सेटलमेंट राशि

संवाददाता–बहराइच। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच के अध्यक्ष और जनपद न्यायाधीश सत्येन्द्र कुमार के नेतृत्व में इस लोक अदालत में कुल 1,52,257 मामलों का निपटारा किया गया।

जिला न्यायालय ने 8,621 मामलों का निस्तारण किया। प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय संजय कुमार की अध्यक्षता में 8 पारिवारिक मामलों का समाधान हुआ। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी संजीव कुमार त्यागी ने 15 मामलों का निपटारा किया। स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर यादव ने 1 मामले का निस्तारण किया।

जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष सुरेश चन्द्र भारती ने 7 मामलों का समाधान किया। लोक अदालत में बैंक रिकवरी के 945 मामलों और राजस्व के 1,42,660 मामलों का निपटारा किया गया। कुल सेटलमेंट राशि 6 करोड़ 58 लाख 82 हजार 823 रुपए रही।

षष्ठम अपर जिला जज और लोक अदालत के नोडल अधिकारी अरविन्द कुमार गौतम ने सभी पीठासीन अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों, वादकारियों और पुलिस फोर्स को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की समीक्षा

संवाददाता–बहराइच। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए बैंकों से समन्वय हेतु नोडल अधिकारी नामित कराएं। ताकि अधिक से अधिक युवाओं को योजना से जोड़ा जा सके। डीएम ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उत्पादन कार्यों के लिए प्रशिक्षित करें तथा योजनान्तर्गत मशीनों की स्थापना कर उन्हें विभिन्न ट्रेडों से जोड़ा जाय। डीएम ने सुझाव दिया कि इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत नवाचार को प्रोत्साहित कर प्रत्येक ब्लाक में ब्लाक की भौगोलिक परिस्थिति तथा अनुकूलता को देखते हुए प्रोजेक्ट्स लगाये जाए।

डीएम ने कहा कि सम्बन्धित अधिकारी बैठकों पर फोकस करने के बजाय गांव–गांव भ्रमण कर क्षेत्रीय सर्वे के आधार पर उपलब्ध संसाधनों, मार्केटिंग की संभावनाओं को मद्देनजर रखते हुए पात्र एवं उत्साही लोगों को प्रेरित कर योजना से जोड़ें। डीएम ने निर्देश दिया कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों के लिए लक्ष्य आवंटित कर आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक से विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षित छात्र–छात्राओं से योजनान्तर्गत आवेदन कराकर उन्हें लाभान्वित किया जाय। उपायुक्त उद्योग के प्रतिनिधि जे.पी. यादव ने बताया कि शासन द्वारा जिले को आंवटित लक्ष्य 1700 के सापेक्ष विभिन्न बैंकों को 951 ऋण आवेदन प्रेषित है जिसमें बैंकों द्वारा 172 पर स्वीकृति तथा 123 पर वितरण की कार्यवाही की गयी। इस स्थिति पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए बैंकों को निर्देश दिया कि प्रेषित आवेदन–पत्रों पर समयबद्धता के साथ कार्यवाही करें।

उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की पात्रता, आवेदन की प्रक्रिया इत्यादि के विवरण से सम्बन्धित होर्डिंग्स, बैनर व पैम्फलेट छपवाकर व्यापक प्रचार–प्रसार कराएं ताकि अधिक से अधिक युवा इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, डीसीएनआरएलएम, बीडीओ, अधि.अधि. नगर पालिका, राजकीय आईटीआई, कौशल विकास मिशन के प्रबन्धक, बैंकों के जिला समन्वयक, एलडीएम सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

दुख से बचने के लिए बुद्ध की शिक्षा आज भी कारगर

संवाददाता–श्रावस्ती। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ के तत्त्वावधान में पांच–दिवसीय बौद्धिक कार्यशाला का आयोजन जगतजीत इंटर कॉलेज इकौना में किया जा रहा है। शनिवार को कार्यशाला की अध्यक्षता प्रज्ञाचार्य राम बिहारी वाजपेई ने की। कार्यशाला के दूसरे दिन शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधिकारी डा अवनीश तिवारी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि जीवन दुख में है। इसकी निवृत्ति के लिए बुद्ध भगवान की ओर से निर्दिष्ट अष्टांग योग को आचरण बनाकर ही विमुख की अनुभूत की जा सकती है। यही बुद्ध शिक्षा एवं बुद्ध का अनुशासन का सार है। इसी से सील समाज और प्रज्ञा की प्राप्ति संभव है। इसी अवस्था में क्षमा,दया,करुणा, सत्य, अहिंसा और प्रेम का भाव स्वतरू अभीभूत होता है। इसी तरह से श्राप, वरदान ,कृपा, कोप वितण्डावाद विलीन जाता है। साथ ही स्वस्थ व निरोग रहने के भी उपाय भी सुझाये। प्रज्ञाचार्य राम बिहारी वाजपेई ने कहा कि सत्य कर्म करने वाला चाहे जहां रहे, वहां प्रसन्न रहेगा। इसी तरह से धन, पद ,प्रतिष्ठा ,जमीन ,जायदाद ,परिवार रूप आदि हमारी सच्ची उपलब्धियां नहीं है। आवश्यकता अनुसार यह सभी जरूरी हैं। लेकिन राग,द्वेष, मोह, लोभ के वशीभूत व्यक्ति इन्हें ही जब सुख समझ कर इन्हीं में डूब जाता है। इसलिए दुखी रहता है। भौतिक वस्तुओं से सुख शांति नहीं मिल सकती। इस अवसर पर शिक्षक उदय भान पांडेय, जेपी गौतम, दिवाकर शुक्ला, हनुमान प्रसाद आदि छात्राएं व शिक्षक मौजूद रहे।

धोखाधड़ी से खाता खुलवाया, हवाला से मंगवाए पौने दो करोड़

संवाददाता–बहराइच। रिसिया इलाके के भैसाही के एक युवक के कुछ साथियों ने बहाने से उसे बैंक ले जाकर उसके आईडी प्रूफ से खाता खुलवाया। खाताधारक के नाम एटीएम, चेकबुक आंवटन कराई गई। युवक के कुछ चेक पर उसके दस्तखत कराए गए। जब युवक को खाते में करोड़ों की धनराशि आने व बैंक से निकाल लिए जाने की भनक लगी। तो उसके होश फाख्ता हो गए। युवक की तहरीर पर मामला साइबर क्राइम थाने के हवाले किए जाने पर पुलिस ने कई लोगों को पूछताछ को उठाया है। रिसिया थाने के भैंसाही गांव निवासी अंकित कुमार वर्मा पुत्र राम गोपाल वर्मा के कुछ साथियों ने उसे समझाया कि उनका कुछ धन फंसा हुआ है।

जो उनके खातों में आया, तो परिजन ले लेंगे। इसलिए उसे समझा कर शहर स्थित यूको बैंक की ब्रांच लाए। वहां अनिल के नाम से खाता खुलवाया गया। खाता खुलने पर बैंक पासबुक, एटीएम, चेक बुक आंवटन कराया गया। साथियों ने ब्लैंक चेक पर उसके दस्तखत कराए गए। चेक साथियों ने रख लिए। फिर उसके खाते में एक करोड़ पचासी लाख पांच सौ तिरानवे रुपए मंगाए गए। फिर उस रकम को निकाल लिया गया है। रिसिया थानाध्यक्ष मदन लाल ने इसे गंभीरता से ले मामले से अपने उच्चधिकारियों को जानकारी दी। एसपी रामनयन सिंह ने हवाला कनेक्शन की आशंका पर इस मामले को साइबर क्राइम थाने को जांच को सौंपा है। इस मामले में साइबर थाने की पुलिस पूछताछ के लिए कई को ले गई है।

भारत नेपाल की सरहद पर एसपी ने पैदल चल परखी सुरक्षा

संवाददाता–बहराइच। भारत पाक में अघोषित युद्ध के माहौल में भारत नेपाल की अन्तरराष्ट्रीय खुली सरहद सामरिक दृष्टि से काफी संवेदनशील है। शुक्रवार रात एसपी रामनयन सिंह ने प्रशासनिक अमले के साथ पैदल भ्रमण कर संवेदनशील सुरक्षा प्वाइंटस व गश्त पर भ्रमण शील सशस्त्र सीमा बल व पुलिस टीम को आवश्यक हिदायते दी। उन्होंने एएसपी ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी के साथ शिवपुरा, मुन्शीपुरवा में इण्डो–नेपाल बॉर्डर स्थित विभिन्न ड्यूटी प्वांइन्ट्स का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था परखी। पैदल भ्रमण के दौरान रुपईडीहा थाने के पुलिस व एसएसबी बल के साथ सीमा पर स्थित संवेदनशील क्षेत्रों की गहन निगरानी की गई। आने–जाने वाले भारतीय व नेपाली नागरिकों, वाहनों की सघन चेकिंग की गयी।

उन्होंने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें संदिग्ध लोगों, संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सूचित करने के लिए प्रेरित किया गया। सरहद पर निवासरत नागरिकों को आश्वस्त किया कि पुलिस और एसएसबी बल सीमा सुरक्षा में पूरी तरह मुस्तैद हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्यवाई की जाएगी।

इस दौरान स्थानीय लोगों को अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और किसी भी असामाजिक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस तक पहुंचाने की अपील की गई। साथ ही स्थानीय पुलिस और एसएसबी जवानों को सुरक्षा तंत्र को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।इस अवसर पर प्रद्युम्न सिंह, एसएसबी के अधिकारी व कर्मचारी, प्रभारी निरीक्षक दद्दन सिंह के साथ थाने के अन्य अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

हादसे में पत्नी की मौत, पति–बेटी घायल

संवाददाता–बहराइच। जिले के नानपारा के गल्ला मंडी बाईपास पर शनिवार दोपहर करीब 2रू30 बजे एक परिवार के साथ दुर्घटना हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार महिला की मौके पर मौत हो गई। उसके पति और बेटी घायल हो गए।

घायल बड़कऊ ने बताया कि वह इकौना के मोहनीपुर का रहने वाला है। वह अपनी पत्नी सुनीता (45) और बेटी के साथ बिछिया में एक शादी समारोह में जा रहा था। दोपहर करीब गल्ला मंडी बाईपास पर बिना नंबर की ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुनीता सड़क पर गिर गई और ट्रक के नीचे आ गई।

मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मृतका सुनीता के तीन बेटे और एक बेटी हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खाद्य पदार्थ भरपूर फिर भी बाजारों में सन्नाटा

संवाददाता–बहराइच। भारत–पाक के बीच संग्राम के मद्देनजर भारतीय सैन्य शक्ति की बहादुरी को देखते हुए जिले के अवाम में किसी प्रकार का भय व आशंका नहीं है। हालांकि शहर के बाजारों में बीते दो–तीन दिनों से ग्राहकों की आमद कम हो गई है। इसके पीछे लोग दो कारण बता रहे हैं। पहला भारत–पाक के बीच तनाव और दूसरा भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप। पल–पल की खबर लेने के लिए जिलेवासी बेताब रहते हैं। लोग टीवी से चिपके रहते हैं। बहुत जरूरी होने पर ही अपने घरों से निकल रहे हैं। इससे दुकानदारी पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। पाक के नापाक हमलों को नाकाम करने वाली भारतीय सैन्य शक्ति की सराहना जिले का हर नागरिक कर रहा है।

वर्तमान में पाक से आयात होने सभी वस्तुओं पर रोक लगा दी गई है। सरकार ने यह कदम पिछले महीने पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद उठाया है। आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने की पड़ोसी देश की करतूतों के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच का व्यापार ठप हो चुका है। हालांकि आयात बंद होने के बावजूद जिले में इसका कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। चाहे घर हो या दुकान जहां देखो वहां पाक की नापाक हरकतों को मिट्टी में मिला देने वाली भारतीय सैन्य शक्ति की ही चर्चा है। पल–पल की खबर पाने के लिए बेताब जिले की अवाम बाजारों में बहुत कम निकल रही है। पीलर तिराहा स्थित दुकानदार सोनू पांडेय ने बताया कि पांच दिन पहले जहां दिन भर में 100 से 150 ग्राहक आते थे वहीं बीते तीन दिनों से 30 से 40 ग्राहक भी दिन भर में नहीं पहुंच रहे हैं। कपड़ा व्यापारी पवन गोयल, बीडी लखमानी ने बताया कि बीते तीन दिनों से ग्राहकों की आमद बहुत कम हो गई है। स्टाफ की मजदूरी भी निकालना मुश्किल हो रहा है। सर्राफा कारोबारी मिंटू का कहना है कि इन दिनों सन्नाटा पसरा रहता है। किराना कारोबारी शिवम शर्मा ने बताया कि बाजार में खाद्य पदार्थ वस्तुओं की कोई कमी नहीं है। जितनी डिमांड होती है आसानी मिल जा रही है। रेट में भी कोई अंतर नहीं आया है।

योगी ने अयोध्या में रविदास भवन का लोकार्पण किया, संकट मोचन व रामलला के दर्शन किए, निर्माण कार्य की समीक्षा

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। उन्होंने रामलला और हनुमानगढ़ी जाकर दर्शन किए। इसके बाद हनुमान कुंड रविदास मंदिर भी पहुंचे। यहां संत रविदास और भगवान बुद्ध के साथ आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पार्पित किए। इस मौके पर मंदिर के महंत बनवारी दास ने स्मृति चिन्ह देकर सीएम का स्वागत किया।

सीएम योगी ने एक करोड़ 15 लाख की लागत से निर्मित सत्संग भवन को जनता को समर्पित किया। 37 जातीय मंदिरों के श्रीमहंतों से भी मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तो उन्हें अयोध्या के विकास की फुर्सत नहीं थी। सपा शासन में यहां एयर कनेक्टिविटी का कोई नामोनिशान नहीं था। रेलवे की सिंगल लाइन थी। बसों की सुविधा नहीं थी। सीएम योगी आगे ने कहा कि अयोध्या में आज सब कुछ बदल गया है। आज यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर का बस स्टेशन है। फोर लेन और सिक्स लेन की कनेक्टिविटी है। पहले लोग पूछते थे अयोध्या कहां है? आज देश ही नहीं दुनिया को भी यहां का पता पूछने की जरूरत नहीं है। अपने संबोधन में सीएम ने आगे कहा कि जिस तरह रविदास मंदिर का विकास कराया गया है। इसी तर्ज पर वाल्मीकि और पासी समेत अन्य जातीय और समाज के मंदिरों का स्वरूप भी बदला जा रहा है। सुंदरीकरण करके वहां पर जन सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

संत रविदास के चरणों में नमन करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता सबको जोड़कर आगे बढ़ाने की है। हर समाज की एकजुटता जरूरी है। सभी समाज के महापुरुषों के योगदान के प्रति सरकार कृतज्ञता ज्ञापित कर रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राम मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया। राम मंदिर निर्माण की प्रगति से भी रूबरू हुए।

रिहायशी झोपड़ी में आग लगने के बाद निकाला तमंचा, ग्रामीणों ने दबोचा

संवाददाता—गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के नगवा भगवान गांव में बगल के अकोल्हा गांव का एक युवक अपने खेत की पराली जला रहा था। इसी दौरान आग ने गांव की रिहायशी झोपड़ी में पकड़ लिया। जिसका विरोध करने पर युवक महिला को पीटते हुए तमंचा निकाल लिया। गांव के लोगों ने युवक को तमंचा के साथ पकड़ कर धुनाई कर दी और पुलिस को सौंप दिया। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। पीड़िता ने तहरीर दे दी है। खबर लिखे जाने तक मुकदमा पंजीकृत नहीं हुआ था। वैसे दोनों परिवारों के बीच पुरानी रंजिश बताई जा रही है। गांव की सुमन पुत्री रामसकल ने तहरीर में लिखा है कि शनिवार को सुबह सात बजे के लगभग इसी ग्राम पंचायत के अकोल्हा टोले का रहने वाला एक व्यक्ति हमारी झोपड़ी में आग लगा दिया। जिससे झोपड़ी पूरी तरह से जलकर राख हो गई। जब हमने विरोध किया तो उसने कट्टा निकाल कर सटा दिया, जान से मारने की धमकी देने लगा और जातिसूचक गालियां देते हुए मारने पीटने लगा तथा पास में लिए एक झाड़ू से आंख में चुभा दिया। सूचना पर पहुंचे भाइयों व ग्रामीणों की मदद से जान बची। पीड़िता ने बताया कि अभी एक माह पूर्व आरोपित युवक ने पीड़िता के बड़ी बहन के लड़के का मारकर पैर तोड़ दिया था। इसके बाद परिजनों ने मुख्यमंत्री सहित उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र को रजिस्ट्री भेज कर कार्यवाही की मांग किया था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपित पर पूर्व में भी हत्या जैसे गंभीर मामले दर्ज है। इस मामले में कोतवाल अंजुल चतुर्वेदी का कहना है कि मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। उसके बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

2 सगी बहनों को गोली मारी, करतूत रिकॉर्ड होती देख तोड़ा कैमरा, मनबढ़ों का तांडव

संवाददाता—गोरखपुर। मनबढ़ों ने जमीन के विवाद में 2 सगी बहनों को गोली मार दी। वहीं बीच—बचाव की कोशिश कर रहे गांव के एक युवक का भी सिर फोड़ दिया। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोली मारने की घटना पीड़ित बहनों के घर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मनबढ़ों की नजर पड़ी तो उन्होंने कैमरा तोड़ दिया।

जमीन पर कब्जे की कोशिश कर रहे मनबढ़ों ने दो सगी बहनों को गोली मार दी। वहीं बीच—बचाव की कोशिश कर रहे गांव के एक युवक का भी सिर फोड़ दिया। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोली मारने की घटना पीड़ित बहनों के घर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वारदात के दौरान मनबढ़ों की सीसीटीवी कैमरे पर नजर पड़ी तो उन्होंने कैमरा तोड़ दिया। डीवीआर लूटने की कोशिश भी की। हालांकि वे डीवीआर तक पहुंच नहीं। मनबढ़ों ने जमकर तांडव मचाया। उन्होंने घर में लूटपाट और तोड़फोड़ की और आतंक मचाया।

गांव में हो रही घटना के दौरान किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पहुंची खजनी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसी कैमरे में कैद हुए आरोपित की पहचान कर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं एक पड़ोसी को भी पुलिस ने उठाया है। गोरखपुर के खजनी क्षेत्र के भरोहिया गांव के राजेश और जोखू गुप्ता के बीच 19 साल से आबादी की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट में है। आरोप है कि राजेश ने कुछ लोगों को बुलाकर जमीन पर कब्जे का प्रयास किया। विरोध करने पर मनबढ़ों ने तमंचा निकाल लिया और लाठी—डंडा लेकर दौड़ लिया। मनबढ़ों ने तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से मुस्कान गुप्ता (उम्र 18 वर्ष) और उसकी बड़ी बहन सनोली गुप्ता (उम्र 20 वर्ष) पुत्री जोखू गुप्ता को लग गई। दोनों घायल हो गईं। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मनबढ़ों को जब पता चला कि उनकी करतूत कैमरे में कैद हो गई है तब उन्होंने कैमरा भी तोड़ दिया। उन्होंने डीवीआर भी लूटने की कोशिश की। परिवारीजनों ने बताया कि राजेश ने जमीन पर कब्जा करने के लिए किसी अन्य गांव से 35 की संख्या में लोगों को बुलाया था। बीच—बचाव में आए गांव के एक व्यक्ति को भी मनबढ़ों ने पीट कर घायल कर दिया।

युवक की चाकू से गोदकर हत्या

संवाददाता—संतकबीरनगर। बखिरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक युवक की चाकू से हत्या कर दी गई। घटना नगर पंचायत बखिरा के मोहल्ला लेडुआ महुआ के रसूलाबाद तिराहे पर हुई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय रहमत अली के रूप में हुई है। रात साढ़े ग्यारह बजे वह रसूलाबाद तिराहे पर स्थित एक चाय की दुकान के पास खड़ा था। इसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते लेडुआ महुआ निवासी सद्दाम अंसारी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। घायल रहमत को तुरंत सीएचसी मेंहदावल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई हजरत अली ने सद्दाम अंसारी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह और चौकी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर कार्यवाई की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोटेदारों को तीन माह का राशन स्टाक करने का निर्देश

संवाददाता—संतकबीरनगर। भारत—पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर में प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिला प्रशासन ने सभी कोटेदारों को एक माह के बजाय तीन माह का राशन स्टॉक करने का आदेश दिया है। जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी आपूर्ति निरीक्षकों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। शासन के आदेश पर जारी इस पत्र में कहा गया है कि सभी कोटेदार तीन माह के खाद्यान्न का अग्रिम उठान करें। उन्हें यह राशन अपनी दुकान की सीमा में भंडारित करना होगा। यदि किसी कोटेदार के पास पर्याप्त भंडारण स्थान नहीं है, तो वह अधिकारियों की अनुमति लेकर दूसरी जगह भी स्टॉक रख सकते हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खाद्यान्न के भंडारण में किसी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। इससे पहले जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति विभाग और पुलिस विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। मेंहदावल के आपूर्ति निरीक्षक ओम प्रकाश कन्नौजिया ने पुष्टि की है कि उन्हें निर्देश प्राप्त हो गए हैं और इनका पालन कराया जाएगा।

डेरी संचालक सगे भाइयों पर कार सवार बदमाशों का हमला,एक की मौत दूसरा घायल

संवाददाता—अयोध्या। रुदौली कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर शुक्रवार की देर रात डेरी से घर आते समय कार सवार अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया । जिसमे बड़े भाई की मौत हो गई। पुलिस चौकी भेलसर क्षेत्र के लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर ग्राम अख्तियारपुर कट अवधेश सिंह ढाबा से पहले रात्रि लगभग साढ़े ग्यारह बजे नैपुरा निवासी राघवेंद्र यादव पुत्र छेदी 35 वर्ष व उनका छोटा भाई अरविंद पुत्र छेदी 25 वर्ष रुदौली से घर जा रहे थे । सूनसान स्थान देखकर अरविंद यादव को पीछे से अर्टिगाकार से आये तीन बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया भाई के शोर मचाने पर बड़े भाई राघवेंद्र यादव रुक गए बदमाशों ने अरविंद यादव को छोड़ कर आगे चल रहे बड़े भाई राघवेंद्र यादव पर चाकू से पूरे शरीर को गोद डाला। राघवेंद्र यादव को मृतक समझ कर बदमाश छोड़कर भाग गए । घटना की जानकारी रुदौली कोतवाल को होने पर वे दलबल के साथ पहुंचकर राघवेंद्र यादव व अरविंद यादव को गम्भीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली भिजवाया। सीएससी रुदौली के चिकित्सा अधिकारी ने अरविंद यादव की गंभीर हालत देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया है व राघवेंद्र यादव को मृतक घोषित कर दिया जिसको पुलिस ने पंचायत नामा भरने के बाद शव को जिला मुख्यालय अयोध्या पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच जारी है ।घटना की सूचना मिलते ही एसपीआरए व क्षेत्राधिकारी रुदौली भी मौके पर पहुंच गए इस सम्बन्ध में एसपी ग्रामीण बलवन्त चौधरी ने बताया कि अरविन्द यादव व राघवेन्द्र यादव रुदौली कस्बे में डेरी संचालन का कार्य कर रहे थे शुक्रवार की देर रात डेरी से घर वापस आते समय कार सवार अज्ञात बदमाशों ने दोनों भाइयों को धारदार हथियार से घायल कर दिया था जिन्हें घायल अवस्था मे पुलिस सीएचसी रुदौली ले गई थी जहां अस्पताल में मौजूद डाक्टर ने राघवेन्द्र यादव को मृत घोषित कर दिया तथा छोटे भाई अरविन्द यादव को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया। मृतक के सगे भाई ने तहरीर देकर गांव के राम उजागिर पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने राम उजागिर को अपने हिरासत में ले लिया है।

थाना दिवस में आलापुर एसडीएम ने सुनी शिकायतें

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। आलापुर थाना परिसर में शनिवार को थाना दिवस का आयोजन हुआ। उपजिलाधिकारी सुभाष सिंह धामी ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में इंस्पेक्टर आलापुर राकेश कुमार और राजस्व निरीक्षक मुन्नीलाल उपस्थित रहे। क्षेत्रीय लेखपाल और जनप्रतिनिधि प्रधान भी कार्यक्रम में मौजूद थे। थाना दिवस में तीन प्रार्थनापत्र प्राप्त हुए। इन शिकायतों के समाधान के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। उपजिलाधिकारी धामी ने बताया कि सरकार और मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को आलापुर थाना में जनसमस्याएं सुनी जाती हैं। वे फरियादियों की शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं।

इंस्पेक्टर आलापुर राकेश कुमार ने बताया कि थाना दिवस पर आने वाले सभी पीड़ितों की समस्याएं गंभीरता से सुनी जाती हैं। शांति व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए तुरंत आवश्यक कार्रवाई की जाती है। यदि मामला राजस्व से संबंधित होता है तो संबंधित विभाग की टीम गठित कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

आधी रात युवक को उठा ले गए दबंग फिर दी दर्दनाक मौत, हाथ—पैर टूटे मिले

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। चार दिन पूर्व आर्केस्ट्रा के दौरान हुए विवाद की रंजिश में शुक्रवार रात एक युवक को दबंग उठा ले गए। देर रात वह निर्वस्त्र अवस्था में गंभीर रूप से घायल गांव किनारे पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस और परिवार के लोगों ने उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहां उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। घटना टांडा कोतवाली इलाके के पकड़ी भोजपुर गांव की है। गांव निवासी संजय यादव उर्फ तेगा (40) शुक्रवार को अपने परिवार के साथ रिश्तेदार रामकिशोर की बेटी की शादी में सम्मनपुर क्षेत्र में बरियावन के पास एक मैरिज हाल में आया था। रात करीब 12 बजे संजय शादी के कार्यक्रम से लापता हो गए। बाद में पता चला कि कुछ लोग उसे जबरदस्ती अपने साथ उठा ले गए हैं। रात करीब 2.30 बजे परिवार के लोगों को सूचना मिली कि संजय खून से लथपथ गांव किनारे पड़ा है। सूचना पर डायल 112 पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। संजय के हाथ—पैर टूटे थे। गुप्तांग पर भी प्रहार किया गया था। मरणासन्न अवस्था में उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज सदरपुर लाया गया। वहां कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी निशा यादव और भाई पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि बीती 6 मई को गांव के त्रिभुवन यादव की पुत्री का विवाह था। इस विवाह में आर्केस्ट्रा पार्टी के दौरान अनुराग उर्फ राज यादव और उसके पिता सजीवन यादव से किसी बात पर संजय का विवाद हो गया था। इस बीच ग्रामीणों ने बीच—बचाव कर मामले में सुलह समझौता करा दिया था।

आरोप है कि इसी रंजिश के चलते अनुराग ने अपने साथी अभिषेक यादव निवासी मखदूम सराय अलीगंज, अंश यादव उर्फ डब्बू निवासी खपुराअकबरपुर, राकेश यादव निवासी पकड़ीभोजपुर, नंदन व कुछ अज्ञात लोगों ने मिलकर हत्या कर दी है। एएसपी पश्चिमी विशाल पांडेय ने बताया कि हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गोकशी के आरोपी से पुलिस मुठभेड़, आरोपी के पैर में लगी गोली, तमंचा और चाकू बरामद

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। एसओजी और पुलिस ने गौकशी के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विथरिया गांव के अजरूद्दीन उर्फ गज्जन के रूप में हुई है। शुक्रवार देर रात को पुलिस टीम चकचई तिराहे पर मौजूद थी। मुखबिर से सूचना मिली कि एक आरोपी विथरिया से सरयु नहर की पटरी होते हुए जबजौआ जा रहा है। चौरा बनगवा गांव के पास पुलिस ने चेकिंग शुरू की।

मोटरसाइकिल सवार आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा। वह लड़खड़ाकर गिर गया। पुलिस के रुकने के आदेश की अवहेलना करते हुए उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। थानाध्यक्ष भवानीगंज बाल—बाल बचे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के दाहिने पैर में लगी।

आरोपी के पास से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा और एक खोखा कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा दो चाकू, एक बोगदा, लकड़ी का ठेहा, स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और एक एंड्रॉयड मोबाइल भी मिला। घायल आरोपी को जिला अस्पताल भेजा गया है।

थाना भवानीगंज में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। एसपी अभिषेक महाजन ने बताया कि पूछताछ से ज्ञात हुआ कि अभियुक्त अजरूद्दीन उर्फ गज्जन उपरोक्त ने अपने एक सहयोगी के साथ मिलकर लावारिश घूमते हुए गोवंशीय जानवर को पकड़ कर उसका वध करके उसके मांस को बेच देते थे।

अजरूद्दीन उर्फ गज्जन अपने एक सहयोगी के साथ गोकशी कर उसके अवशेष को बोरे में भरकर ग्राम चौरा बनगंवा के पास रात्रि को सरयू नहर रेग्यूलेटर के नीचे छिपा दिए थे।

अंतर्राष्ट्रीय शब्द सारथी सम्मान से सम्मानित हुए रमाशंकर शुक्ल

संवाददाता—संतकबीरनगर जिले के मुंडेरा शुक्ल निवासी रमाशंकर शुक्ल मॉरीशस में अंतर्राष्ट्रीय शब्द सारथी सम्मान से सम्मानित हुए। उनके सम्मानित होने पर लोगों ने बधाई दी। भारतीय ज्ञान परंपरा, हिंदी भाषा एवं रामकथा विषय पर मॉरीशस गणराज्य में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डा. रमाशंकर शुक्ल को विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। यह संगोष्ठी विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस, यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस, हिंदी प्रचारिणी सभा लॉन्ग माउंटेन में आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में मॉरीशस के स्वास्थ्य मंत्री अनिल कुमार बच्चू जी और शिक्षा मंत्री डॉ. कविराज शर्मा ने सम्मानित किया। इस यात्रा के क्रम में मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग में रमा शंकर शुक्ल का साक्षात्कार भी हुआ।

इस कार्यक्रम में शामिल होने गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के पांच सदस्यों में रमाशंकर शुक्ल शामिल थे। इन्हें मॉरीशस के महामहिम राष्ट्रपति धर्मवीर गोखुल जी से शिष्टाचार भेंट करने और भारत मॉरीशस संबंधों पर चर्चा करने का अवसर मिला।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

न्यायालय—सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 69/2025

1. राममिलन पुत्र स्व0 राम औतार साकिन करौदा मसिना थाना जोगिया हाल मुकाम सी0 उदयपुर थाना जोगिया जिला—सिद्धार्थनगर 2. मदन पाल पुत्र स्व0 बाबूलाल गुप्ता 3. राधेश्याम पुत्र स्व0 बाबूलाल 4. ममता देवी पत्नी स्व0 घनश्याम साकिनान करौदा मसिना थाना जोगिया जिला—सिद्धार्थनगर

—प्रार्थी/आवेदक

बनाम

इस्टेट

तारीख पेशी 23—05—2025

प्रा0 पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने मृत को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 05 के 23 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2025 के 05 के 09 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय—श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती

वाद सं0—125/2017

नागेन्द्र आदि

बनाम

गुलाम नबी आदि

1. गुलामनबी पुत्र इलाकेदार 2. श्रीमती शहनाज पत्नी गुलामनबी 3. जुबेर पुत्र जमात अली निवासीगण मौजा रौनाकला तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती 4. राधेश्याम शुक्ल हलका लेखपाल तहसील रूधौली जिला बस्ती 5. ग्राम सभा रौनाकला द्वारा प्रधान ग्राम सभा रौनाकला तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती

—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

6. सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी बस्ती

—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 27—05—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरश्ता हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

तापमान 39 डिग्री पहुंचा, 8 से 16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाए

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। शनिवार को तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दे रही है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होगी। तेज धूप और उमस के कारण लोग घरों में ही रहना पसंद कर रहे हैं। उमस के कारण रात में भी लोगों को नींद नहीं आ रही है।

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 8 से 16 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। इन तेज हवाओं से गर्मी और उमस का एहसास अधिक होगा। यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को धूप में निकलने से बचने की सलाह दी है। साथ ही गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की भी सलाह दी है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में 93 गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। भनवापुर क्षेत्र स्थित सीएचसी सिरसिया में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। अधीक्षक डा. शैलेंद्र मणि ओझा की देखरेख में आयोजित शिविर में 93 गर्भवती महिलाओं ने पंजीकरण कराया।

जांच के दौरान 8 गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम के लक्षण मिले। सभी महिलाओं को चिकित्सीय परामर्श दिया गया। 3 महिलाओं में एनीमिया की समस्या पाई गई, जिन्हें आयरन सुक्रोज की डोज दी गई।

शिविर में 53 महिलाओं का निःशुल्क अल्ट्रासाउंड भी किया गया।

अधीक्षक डा. ओझा ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान कई जटिलताएं हो सकती हैं। इनमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह, फीटस का अधिक बड़ा होना, गंभीर एनीमिया और प्लेसेंटा का विकृत या नीचे होना शामिल है। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में ही जोखिम की पहचान कर उचित इलाज से मां और बच्चे दोनों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

शिविर में डा. एलबी यादव, विनय कुमार भारती, अजय पांडे, ज्योति, प्रेम कुमार त्रिपाठी, रुपम पाठक, सविता मौर्या, अर्चना चौधरी, वर्षा सागर, रेखा पांडे, कृष्ण गोपाल पांडे, रविंद्र कुमार और अश्वनी अग्रहरि सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—

चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय—

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय—

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com